# Zeit- und Arbeitsplan für Schreibaufgaben

Um einen Überblick über den Schreibprozess und die für eine Aufgabe zur Verfügung stehende Zeit zu gewinnen, kann es hilfreich sein, wenn du dir einen Zeit- und Arbeitsplan für dein Schreibprojekt erstellst. Dieser unterstützt dich sowohl in einer effektiveren Planung deiner Aufgaben als auch bei der Reflexion deiner Vorgehensweise beim Anfertigen einer wissenschaftlichen Arbeit, indem du dir z.B. verdeutlichst wie viel Zeit du für eine Phase einplanen möchtest bzw. rückblickend tatsächlich benötigt hast. Die folgende Tabelle in Anlehnung an die Darstellung des Schreibprozesses von Wolfsberger (2010) bietet dir die Möglichkeit deinen Plan übersichtlich zu visualisieren.

## Aufgabe

* Überlege, wie viel Zeit Du für die Anfertigung einer Arbeit hast. Für alle fünf Phasen sollte im Idealfall ungefähr gleich viel Zeit eingeplant werden.
* Schätze dann Deinen Zeitbedarf für jeden zu erledigenden Arbeitsschritt möglichst genau ein.
* Nun verteilst Du die Arbeiten auf die dir zur Verfügung stehende Zeit so, dass die Arbeit abwechslungsreich bleibt. Markiere hierfür die Kästchen entsprechend der Einteilung.
* Revidiere Deinen Zeitplan, sobald Du feststellst, dass Du Dich im Zeitbedarf verschätzt hast.

Hinweis: Ein Zeitplan ist ein Modell, das Anhaltspunkte für den Prozess und einen Überblick bieten soll. Üblicherweise läuft der Schreibprozess jedoch nicht so linear ab, wie durch die Auflistung der Schritte impliziert wird. Die einzelnen Schritte oder Phasen greifen häufig ineinander und werden mehrmals durchlaufen, um z.B. ein Thema und eine Fragestellung zu präzisieren oder, um die Motivation durch Abwechslung der Tätigkeiten aufrechtzuerhalten.

*Literatur:
Becher, Stephan: Schnell und erfolgreich studieren. 3., aktualisierte Auflage. Eibelstadt 2008, S. 146ff.*

*Boeglin, Martha: Wissenschaftlich arbeiten Schritt für Schritt. München 2007, S. 75.*

*Vgl. Wolfsberger, Judith: Frei geschrieben. 3. Auflage. Wien u. a. 2010.*

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **Zeiteinheit (Tage)** | **01** | **02** | **03** | **04** | **05** | **06** | **07** | **08** | **09** | **10** | **11** | **12** | **13** | **14** | **15** | **16** | **17** | **18** | **19** | **20** | **21** | **22** | **23** | **24** | **25** | **26** | **27** | **28** | **29** | **30** |
| **1. Orientierung und Planung: Recherchieren, Themenfindung** |
| Themenfindung |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Materialrecherche |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Schnelles Lesen, Überblick verschaffen |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Besprechung mit Dozent\*in |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Fragestellung  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **2. Material auswerten, Strukturieren** |
| Fokussiertes Lesen |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Materialauswertung, Exzerpte, Mindmaps etc. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Exposee, Gliederung |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **3. Schreiben der Rohfassung** |
| Rohfassung |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **4. Feedback holen, überarbeiten** |
| Inhaltliche Textüberarbeitung |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Stilistische Textüberarbeitung |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Feedback einholen |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **5. Korrigieren (lassen), Layouten, Abgeben** |
| Korrekturen einarbeiten |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Prüfendes Lesen |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Layouten |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Technische Aufgaben (Druck, Bindung) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |